दैनिक
डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट
*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान
www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com
वर्ष : 8 अंक : 281 | इंदौर, शुक्रवार 21 अप्रैल, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

मध्य प्रदेश में किसी भी स्कूल को बंद नहीं किया

● शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

शुजालपुर (शाजापुर)। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा पत्रकार वार्ता में स्कूलों के बंद होने व शिक्षकों की कमी को लेकर दिए बयान पर मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने पलटवार करते हुए गुरुवार को कहा कि झूठ व भ्रम फैलाने मे माहिर दिग्विजय सिंह गलत आंकड़े पेश कर रहे हैं और कोई स्कूल बंद नहीं किए गए हैं।

उन्होंने दिग्विजय सिंह को कमलनाथ सरकार के रिमोट के रूप में उद्बोधित करते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह जो आंकड़े पेश कर रहे हैं, वह झूठे और मिथ्या है। कमलनाथ सरकार द्वारा एक शाला एक परिसर योजना के माध्यम से प्राथमिक माध्यमिक व हाईस्कूल स्कूलों को एक किया गया। पहले इंसानों का अलग-अलग कोड हुआ करता था, अब एक कोड से संचालित होने से शालाओं की संख्या कम दर्शाई जाने लगी है। इसका मतलब यह नहीं है कि कोई विद्यालय बंद किया।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार ने शिक्षकों के सम्मान को लौटाने का काम देश की धरती पर किया है। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था तहस-नहस की थी, हमने उसे उसे वापस व्यवस्था को सुधारने का काम किया है। मंत्री परमार ने दिग्विजय सिंह पर हमला बोलते हुए कहा कि वह यह बताएं कि उनके शासनकाल में 10 वर्षों में स्कूलों की मरम्मत के लिए कितनी राशि आवंटित की गई थी। उन्होंने अपने कार्यकाल में स्कूलों के भवन निर्माण के लिए कितनी राशि दी थी, क्योंकि जो यह राशि दी गई थी, वह भारत सरकार द्वारा आवंटित की गई थी।

कोर्ट में उलझा ओबीसी आरक्षण मध्य प्रदेश में बन सकता है चुनावी मुद्दा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल । मध्य प्रदेश में ओबीसी वर्ग को अधिक से अधिक अवसर और आरक्षण देने का दावा भाजपा-कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के लिए राजनीतिक जोखिम बनता जा रहा है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में इस बार ओबीसी आरक्षण का मामला बड़ा चुनावी मुद्दा बन सकता है। यह मामला अभी भी हाई कोर्ट में लंबित है।

इसकी वजह यह है कि कमल नाथ सरकार ने ओबीसी आरक्षण की सीमा 14 से बढ़ाकर 27 प्रतिशत की थी, लेकिन तब से ही यह मामला हाई कोर्ट में चला गया। इसका प्रभाव यह हुआ कि 14 प्रतिशत या फिर 27 प्रतिशत के फेर में सारी सरकारी भर्ती प्रक्रियाएं रुकी हुई हैं। हर भर्ती का मामला इसी मसले पर कोर्ट पहुंच जाता है और उस पर स्थगन आदेश आ जाता है। कांग्रेस भाजपा सरकार पर आरोप लगाती है कि उसने कोर्ट में सरकार का पक्ष ठीक से नहीं रखा, इसलिए निर्णय नहीं हो पाया। इस चक्कर में भाजपा, कांग्रेस दोनों एक दूसरे को ओबीसी विरोधी ठहरा रही हैं। इससे गैर ओबीसी वर्ग में भी नाराजगी बढ़ सकती है।

उधर, कांग्रेस लगातार भाजपा पर ओबीसी को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगा रही है। पिछले वर्ष सुप्रीम कोर्ट द्वारा नगरीय निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण रद किए जाने का निर्णय आया तो भाजपा सरकार की मुसीबत बढ़ गई थी। तब आरोपों से बचने के लिए ही भाजपा ने ओबीसी को संगठन स्तर पर निकाय चुनाव में 30 प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा की थी। फिर राज्यसभा चुनाव में भी ओबीसी कोटे से कविता पाटीदार को प्रत्याशी बनाया। फिर भी भाजपा की मुश्किलें थमती नहीं दिख रहीं। अब विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के इन कदमों से सामान्य और अनुसूचित जाति- जनजाति वर्ग नाराज हो रहा है।

● अभी ओबीसी की जो है भागीदारी

आंकड़ों पर गौर करें तो ओबीसी की मप्र विधानसभा में 26 और प्रशासकीय क्षेत्र में 25 प्रतिशत भागीदारी है। पंचायतों में 55 प्रतिशत तक प्रतिनिधित्व मिल चुका है। विधानसभा की 230 सीटों में से 60 ओबीसी वर्ग के पास है। वर्ष 2020 के उपचुनाव के बाद इनमें से 32 सीटों पर भाजपा और 28 सीटों पर कांग्रेस के विधायक काबिज हैं। प्रशासनिक क्षेत्र में प्रथम से चतुर्थ वर्ग के 85 हजार 362 अधिकारी-कर्मचारी कार्यरत हैं। इसमें भी सबसे ज्यादा 74 हजार 393 तृतीय वर्ग के कर्मचारी हैं और इस वर्ग के अभी 28 हजार 695 पद खाली हैं। उल्लेखनीय है कि दिग्विजय सरकार में ओबीसी को 14 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था, जिसे वर्ष 2019 में कमल नाथ सरकार ने बढ़ाकर 27 प्रतिशत कर दिया। वर्तमान में कई प्रतियोगी परीक्षाओं में 27 प्रतिशत मानक माना जा रहा है। यही वजह है जिस कारण किसी भी विभाग में भर्ती नहीं हो पा रही है, इससे अन्य वर्ग में नाराजगी बढ़ रही है।

कमल नाथ ने कांग्रेस के 16 नेताओं को सौंपी अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल । नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने 16 नेताओं को अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी सौंपी है। ये सभी आवंटित जिलों में संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने के साथ चुनाव की कार्ययोजना बनाकर काम करेंगे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी को विंध्य, अरुण यादव और जीतू पटवरी को बुंदेलखंड और जयवर्धन सिंह को इंदौर व उज्जैन जिले का दायित्व दिया गया है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह और फूल सिंह बरैया ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में चुनाव की तैयारियों की कमान संभालेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह समन्वय का काम देखेंगे।

चुनाव अभियान समिति की बैठक में वरिष्ठ नेताओं को जिले देने का निर्णय लिया गया था। सबकी सहमति लेने के बाद जिले आवंटित करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इसमें पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह को ग्वालियर, दतिया और शिवपुरी की जिम्मेदारी दी

गई है तो फूल सिंह बरैया श्योपुर, मुरैना और भिंड में मतदान केंद्र स्तर पर चुनाव की तैयारियों को अंतिम रूप देंगे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी को सीधी, रीवा, कटनी और सिंगरौली, नेता प्रतिपक्ष डा. गोविंद सिंह को अनूपपुर, शहडोल, उमरिया और जबलपुर का प्रभार दिया गया है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कांतिलाल भूरिया के पास आदिवासी बहुल बड़वानी और खरगोन जिले में पार्टी को जिताने का काम रहेगा।

संगठन ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव को बुंदेलखंड के निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर और जीतू पटवारी को सतना, दमोह, पन्ना के साथ रायसेन का दायित्व सौंपा गया है। सज्जन सिंह वर्मा छिंदवाड़ा, बैतूल, हरदा, नर्मदापुरम, बाला बच्चन खंडवा, बुरहानपुर और धार जिले में चुनाव अभियान को देखेंगे।

मीनाक्षी नटराजन को आलीराजपुर, झाबुआ और आगर, रामनिवास रावत को राजगढ़ और शाजापुर, केपी सिंह को गुना, अशोकनगर और विदिशा, पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह को इंदौर और उज्जैन, तरुण भनोत को डिंडौरी, बालाघाट, सिवनी, मंडला और नरसिंहपुर, कमलेश्वर पटेल को नीमच, मंदसौर और रतलाम जिले का प्रभार दिया गया है। सीहोर और देवास जिले में पार्टी को जिताने का दायित्व लाखन सिंह यादव का होगा।

शहर के कुएं - बावड़ियों की मरम्मत करने , ऊंचाई बढ़ाने और जाली लगाने के आदेश

कुएं-बावड़ियों की सुरक्षा में लगाए बीओ और बीई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। हाइकोर्ट का नोटिस मिलते ही कुएं- बावडि़यों की सुरक्षा में नगर निगम के बिल्डिंग अफसर (बीओ) और इंस्पेक्टर (बीआइ) को लगा दिया गया है। निगमायुक्त ने समस्त बीओ बीआइ को निर्देशित किया है कि सूची के अनुसार कुएं- बावडि़यों की मरम्मत कराएं ऊंचाई बढ़ाएं और जाली लगवाएं। इन कामों को करके फोटो के साथ रिपोर्ट देने के निर्देश भी दिए गए हैं।

रामनवमी यानी 30 मार्च को पटेल नगर में बावड़ी हादसा हुआ था। इसके बाद 3 अप्रैल को जिला प्रशासन, निगम और पुलिस ने मिलकर पटेल नगर स्थित बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर, ढक्कनवाला कुआं, गाडरा खेड़ी और सुखलिया क्षेत्र में एक साथ कार्रवाई करते हुए कुएं- बावड़ी के अतिक्रण हटाए। अगले दिन 4 अप्रैल को फिर तीन जगह चोइथराम स्कूल, परसरामपुरिया स्कूल और नेहरू नगर रोड नंबर 9 पर कुएं पर किए अतिक्रमण को तोड़ा। इसके बाद से कुएं-बावडि़यों से अतिक्रमण हटाने को लेकर चली मुहिम ठप्प हो गई, जबकि निगम के पास जो 629 कुएं बावडि़यों की सूची है, उनमें से तकरीबन 150 कुएं - बावडि़यों पर निगम ने अतिक्रमण चिह्नित रखे हैं। इसके साथ ही सूची के अतिरिक्त भी सर्वे में कुएं बावड़ी पर अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं, किंतु इन्हें हटाने की कार्रवाई अचानक से क्यों रूक गई इसका किसी के पास सही जवाब नहीं था।

अफसर हादसे के लिए जिम्मेदार है, उन पर आपराधिक प्रकरण दर्ज क्यों नहीं करवाया गया। कलेक्टर और निगमायुक्त को चार सप्ताह में जवाब देना है। हाइकोर्ट का नोटिस जारी होते ही निगमायुक्त सिंह ने निगम के 19 जोन पर तैनात समस्त बीओ बीआई को निर्देशित किया है कि अपने-अपने जोन अंतर्गत जो कुएं बावड़ी असुरक्षित है उनकी मुंडेर बनवाएं। मरम्मत का कार्य करवाएं। मुंडेर की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य करने के साथ कुएं एवं बावड़ी को ऊपर से लोहे की जाली से ढंकने का कार्य शीघ्रता से शुरू किया जाए। उन्होंने जोनल अफसरों से समन्वय करके यह काम शीघ्र करने का कहा है। कुएं-बावड़ी पर सूचना बोर्ड लगाने और फोटोग्राफ लेने के आदेश दिए गए है।

स्टार्टअप के लिये मध्यप्रदेश सरकार की अनेक योजनाएं : पी. नरहरि

● राष्ट्रीय एमसेवा ऐपस्टोर और नेशनल एसएसओ पर कार्यशाला सम्पन्न

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सचिव और आयुक्त एमएसएमई विभाग मध्यप्रदेश शासन श्री पी नरहरि ने कहा कि मध्यप्रदेश में स्टार्टअप लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में हर माह 100 से 200 के बीच में नए स्टार्टअप बड़े रहे हैं। इसलिए मध्यप्रदेश सरकार ने स्टार्टअप को सपोर्ट करने के लिए अनेक सुविधाएं देने के लिए योजनाऐं प्रारंभ की हैं। राष्ट्रीय एमसेवा ऐपस्टोर और नेशनल एसएसओ पर इंदौर में आज एक कार्यशाला के दौरान श्री नरहरि, ने बतौर मुख्य अतिथि यह बात कही।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के स्टार्टअप को इन्वेस्टमेंट और स्टार्टअप से जुड़ी हुई अन्य गतिविधियों के लिए मदद के लिए भी योजनाऐं प्रारंभ की हैं। उन्होंने कहा कि अब बात है की कि उन्हें क्षमता के साथ में सुविधा का लाभ लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और मध्यप्रदेश सरकार में स्टार्टअप को सपोर्ट करने के लिए बहुत योजनाएं और संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप को पब्लिक और मार्केट के सलूशन पर ध्यान देना होगा। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय शिवराज सिंह चौहान जी ने मध्यप्रदेश के स्टूडेंट्स के लिए इनोवेशन फंड की स्थापना की गई है। उन्होंने बताया स्टार्टअप इनोवेशन के बारे में सोचना बहुत जरूरी है उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में आइडिया स्टेज पर भी स्टार्टअप को पैसा देना सरकार प्रारंभ कर रही है।

22 डूब प्रभावित परिवारों की जमीन पर था अतिक्रमण

अब मिलेंगे 60-60 लाख, तीन दिन बाद सत्याग्रह खत्म

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सरदार सरोवर बांध के कारण डूब क्षेत्र के कुछ प्रभावितों को पर्याप्त आवजा नहीं मिला। उनकी समस्याएं लेकर नर्मदा बचाओ आंदोलन नेत्री मेधा पाटकर ने इंदौर के नर्मदा भवन पर सत्याग्रह किया। विभिन्न मांगों के निराकरण पर सहमति बनने के बाद पांच सत्याग्रहियों ने तीन दिन बाद सत्याग्रह समाप्त किया।

विजय नगर क्षेत्र के नर्मदा भवन में बड़वानी, धार, अलीराजपुर, खरगोन जिले के प्रभावित परिवारों बसों में भरकर आए। आलथी-पालथी मारकर वे घंटों तक बैठे रहे और निमाड़ी बोली में गीत गा रहे थे। इस भीड़ में धार तहसील के 22 परिवार वे थे, जिन्हें जमीन के बदले जो जमीन मिली। उस पर पहले से अतिक्रमण था। वे कब्जा नहीं ले पाए। आंदोलनकारियों की बात सुन रहे संभागायुक्त पवन शर्मा ने परिवारों से बात की और कहा कि नियमानुसार 60-60 लाख रुपये की राशि इन परिवारों को दी जाएगी। मेधा ने संभागायुक्त से कहा कि पीड़ित परिवारों की समस्याएं जिलों के अफसर नहीं सुनते। इस पर संभागायुक्त ने चार जिलों के कलेक्टरों को प्रभावितों के लंबित प्रकरणों के निराकरण के निर्देश जारी किए। आंदोलनकारियों ने कहा कि जिस प्रभावितों को जमीन मिली है। उनकी रजिस्ट्री नहीं हो पा रही है। इस मुद्दे पर भी अफसरों ने आश्वासन दिया है। धरना समाप्त करने के बाद आंदोनलकारियों ने संभागायुक्त पवन शर्मा के पक्ष में नारे भी लगा दिए। इसके बाद प्रभावित बसों में बैठकर अपने अपने गांवों की तरफ लौट गए।

कान्ह - सरस्वती नदी और नालों में गिरने वाले ड्रेनेज के पानी को रोकने ठोस कदम उठाने की आवश्यकता

एमआईसी सदस्य बोले अच्छे कंसल्टेंट की नियुक्ति निगम में होना जरूरी है

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। कान्ह सरस्वती नदी और नालों में गिरने वाले ड्रेनेज के पानी को रोकने के लिए नगर निगम ने नाला टेपिंग की है। इसको लेकर कल मेयर-इन- कौंसिल (एमआइसी) की बैठक में खूब हंगामा मचा। एक एमआईसी सदस्य ने जल यंत्रालय एवं ड्रेनेज विभाग के अफसरों को घेरते हुए कहा कि पहले नाला टेपिंग करो, फिर बरसात में जलभराव होने पर खोलो, क्या यही विकास है? इस तरह काम करके जनता का पैसा क्यों बर्बाद कर रहे हो। इसके साथ ही ही नदी-नालों पर हो रहे अतिक्रमण का मुद्दा उठा और कहा गया कि किसी भी दिन कुएं- बावड़ी जैसा हादसा न हो जाए।

कंसल्टेंट है सिर्फ पैसा लेने के लिए

अभिषेक शर्मा ने कंसल्टेंट की नियुक्ति का मुद्दा उठाते हुए कहा कि विकास कार्य में जनता पैसा लगता है। कार्य सही ढंग से हो, गुणवत्ता पूर्ण हो, मॉनिटरिंग हो और प्लानिंग के साथ हो। इसके लिए हम मोटी फीस देकर कंसल्टेंट रखते है। इनके होने के बावजूद हम बारबार प्लानिंग को बदलते और कार्य में अनियमितता अलग होती है। इसलिए कंसल्टेंट पर फाइन होना चाहिए। इन्हें हमने सिर्फ पैसे लेने के लिए नहीं रखा है। अच्छे कंसल्टेंट की नियुक्ति निगम में होना जरूरी है। बिल बनाकर पैसे लेने वालों की कोई आवश्यकता नहीं है।

निगम मुख्यालय स्थित महापौर परिषद हॉल में एमआइसी की बैठक महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगमायुक्त हर्षिका सिंह की मौजूदगी में हुई। बैठक में जैसे ही कान्ह नदी शुद्धिकरण के लिए 26 करोड़ रुपए की लागत से सीवर की प्रायमरी लाइन डालने का प्रस्ताव आया, वैसे ही एमआइसी मेंबर जीतू यादव ने नाला टेपिंग का मुद्दा उठाते हुए जल यंत्रालय एवं ड्रेनेज विभाग के अफसरों को घेरना शुरू कर दिया। उनका कहना था कि नदी-नालों में गिरने वाले ड्रेनेज के पानी को रोकने के लिए कर नाला टेपिंग का काम किया। इससे नाले सूख गए और उनमें क्रिकेट खेलने के साथ पहलवानों की कुश्ती कराई गई। साथ ही शादी की सालगिरह और जन्मदिन जैसे आयोजन किए। अफसरों ने नाले में बैठक कर चाय-नाश्ता अलग किया। आज इन नदी-नालों की हालत खराब है और सूखे नालों में गंदा पानी बह रहा है।

शांति समिति की बैठक में कलेक्टर बोले ...

जिले में शांति और कानून व्यवस्था बनी रहे, यह हम सबकी जिम्मेदारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। आने वाले पर्व, त्योहारों और धार्मिक आयोजनों के दौरान शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर गुरुवार को कलेक्टर ऑफिस में शांति समिति की बैठक हुई। इस बैठक में पुलिस आयुक्त मकरंद देउस्कर, कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी, नगर निगम आयुक्त हर्षिका सिंह, डीआईजी मनीष कपूरिया सहित कई विभागों के अधिकारी व शांति समिति के सदस्य मौजूद रहे।

बैठक में आने वाले त्योहारों और धार्मिक आयोजनों के दौरान शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। बैठक में सभी ने मिलकर निर्णय लिया कि इस दौरान शांति, एकता, भाईचारे एवं साम्प्रदायिक सौहार्द की इंदौर की गौरवशाली परंपरा को हर हाल में कायम रखा जाएगा। बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने त्योहारों के दौरान रखे जाने वाली व्यवस्थाओं के बारे में बताया।उन्होंने अपने-अपने सुझाव भी दिए।

मकरंद देउस्कर ने कहा कि इंदौर ध्वनि प्रदूषण फ्री शहर भी बने। इसके लिए हम सब मिलकर जागरूकता अभियान जन आंदोलन के रूप में चलाए। उन्होंने कहा कि ध्वनि प्रदूषण समाप्त करने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का पूरा पालन कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाई रखी जाएगी।

शांति समिति के सदस्य अपनी सक्रिय सहभागिता निभाए

बैठक में कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी ने कहा कि हम सब मिलकर यह प्रयास करें कि आगामी त्योहार भी इंदौर की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप शांति के साथ मने। जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनी रहे, यह हम सबकी संयुक्त जिम्मेदारी है। शांति समिति के सदस्य अपनी सक्रिय सहभागिता निभाए। आमजन के बीच में पहुंचे और जनता से सीधा संवाद रखें। पुलिस और प्रशासन द्वारा भी सीधा संवाद आमजन से रखा जा रहा है।

रिदम किंग विश्वा का सम्मान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। स्वरांकन डिजिटल स्टूडियो में बॉलीवुड के सुप्रसिद्ध ढोलक वादक, इंडियन आइडियल, सारेगामा फेम गिरीश विश्वा का सम्मान किया गया, स्वरांकन के डायरेक्टर कमलाशंकर जोशी दा साहब ने शाल ओढ़ा कर राजबाडे का स्मृति चिन्ह दिया, इस अवसर पर संगीत कलाकार राजेश मिश्रा, कपिल पुरोहित उपस्थित थे।

सावधान! आप भी तो नहीं बन रहे
फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का शिकार

मध्य प्रदेश साइबर पुलिस ने खुलासे युवकों को शादी का झांसा देकर लाखो

ऐसे चलता है ठगी का धंधा

जीवन भर का फैसला कहीं जीवन भर की चूक न बन जायें,

डिटेक्टिव से तहकीकात ज़रूर करवाए

DETECTIVE GROUP
Detecting the truth

आज ही अपनी जानकारी सबमिट करे
www.detectivegroup.in
Whatsapp us on +91-91110 50101

भोपाल समेत 7 जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश

जबलपुर में खराब मौसम के चलते सीएम का कार्यक्रम निरस्त, छिंदवाड़ा में मकान का टीनशेड उड़ा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश में गुरुवार को मौसम का मिजाज बदला सा रहा। भोपाल समेत 7 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। जबलपुर में दोपहर 3 बजे के बाद धूल भरी आंधी चली, इसके कुछ देर बाद ही तेज बारिश शुरू हो गई। खराब मौसम के कारण लाडली बहना कार्यक्रम निरस्त करना पड़ा। कार्यक्रम 3.30 बजे से था। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को इसमें शामिल होना था।

जबलपुर, मंडला, छिंदवाड़ा, सागर, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर समेत कई जिलों में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हुई। भोपाल में बुधवार रात से बारिश का दौर शुरू हो गया था। गुरुवार दिनभर बादलों की गड़गड़ाहट और आकाशीय बिजली के चमकने का दौर जारी रहा। बारिश भी हुई। सिवनी, बालाघाट, उज्जैन, इंदौर, आगर, सीहोर, धार, राजगढ़, बैतूल, देवास, रायसेन आदि जिलों में भी मौसम बदला सा रहा। शाजापुर, सागर में 54 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से आंधी चली। अशोकनगर, गुना, इंदौर, भोपाल, सागर, शहडोल, अनूपपुर, छिंदवाड़ा और जबलपुर में भी हवा की रफ्तार तेज रही।

तेज आंधी के साथ शुरू हुई बारिश से पारा 1 से 4.7 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। भोपाल में तापमान 2.3 डिग्री लुढ़का। गुरुवार को यहां अधिकतम तापमान 37.5 डिग्री, इंदौर में 37.6, ग्वालियर में 39.5 और जबलपुर में तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

नर्मदापुरम के पिपरिया में 10 मिनट बारिश

छिंदवाड़ा में भी दोपहर में आंधी के साथ बारिश हुई। जिले के तामिया विकास खंड के छिंदी गांव के माता मोहल्ले में कच्चे मकान का टीन शेड उड़ गया। मकान शमीम खान और सादिक खान का है। घटना में घर में मौजूद बच्चे मोहसिन को मामूली चोट आई है। नर्मदापुरम के पिपरिया में भी 10 मिनट तेज पानी गिरा, इसके बाद हल्की बूंदाबांदी होती रही।

दो सिस्टम एक्टिव होने से बदला मौसम

मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि 23 अप्रैल तक मौसम का मिजाज ऐसा ही रहेगा। यानी तीन दिन तक प्रदेश के ज्यादातर जिलों में तेज गर्मी नहीं पड़ेगी, इसके बाद गर्मी का असर बढ़ जाएगा। अभी बघेलखंड-बुंदेलखंड में तेज गर्मी पड़ रही है। मौसम वैज्ञानिक एसएन साहू ने बताया कि प्रदेश में दो सिस्टम एक्टिव हैं। साउथ राजस्थान के ऊपर चक्रवाती हवाओं का घेरा है। इसका असर मध्यप्रदेश में भी देखने को मिल रहा है। बुधवार को भोपाल, बड़वानी, सीहोर, इंदौर, झाबुआ, रायसेन, बैतूल, अलीराजपुर, धार, विदिशा, खरगोन में मौसम बदला सा रहा।

6 मकानों को तोड़ा, 7 स्टे ले आए

● **महाकाल मंदिर विस्तारीकरण के द्वितीय चरण कार्य में बाधक 13 मकानों में से 6 को तोड़ा**

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। **महाकाल मंदिर विस्तारीकरण के द्वितीय चरण के कार्य में बाधक 13 मकानों में से 6 मकानों को तोड़ने के लिए प्रशासन की टीम शुक्रवार को महाराजावाड़ा स्कूल के पास क्षेत्र में पहुंची यहां पर 7 मकानों को मिले स्टे कारण तोड़ा नहीं जा सका।**

महाकाल मंदिर के पास महाराजवाड़ा स्कूल वाली सरकारी जमीन पर निर्मित 13 मकान मालिकों को नोटिस देने के बाद भी वे अब तक नहीं हटे हैं। गत माह मुख्यमंत्री शिवराजसिंह ने विस्तारीकरण कार्य की समीक्षा की थी। जिसमें उन्होंने 30 जून तक सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में महाराजवाड़ा स्कूल वाली जमीन पर बाधक 13 मकानों को तोड़ने के नोटिस जारी होने के बाद पहुंची टीम प्रशासन और नगर निगम की टीम ने 6 मकानों को तोड़ दिया। एसडीएम कल्याणी पांडये ने बताया कि 13 मकान सरकारी जमीन पर बने हुए थे, इन्हें नगर निगम की ओर से खाली करने का नोटिस भी दिया गया था जिसमें से 7 लोग हाईकोर्ट से स्टे ले आए। उनके मकान को छोड़ कर 6 मकान को तोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी है। यहाँ पर महाकाल थाना शिफ्ट होगा। महाकाल थाना भवन के पास से नया मार्ग बनाया जा रहा है,जो बड़ा गणेश मंदिर के पास तक बनेगा। बेगमबाग बस्ती की जमीन पर सरफेस पर 10 कार, 10 ऑटो रिक्शा और 160 टू-व्हीलर की पार्किंग होगी। बेसमेंट में 250 कार का पार्किंग एरिया बनेगा।

अमावस्या की रात में श्मशान में शव साधना

उज्जैन में जलती चिताओं पर की तंत्र क्रियाएं, मुर्दों को लगाया नींबू, मिर्च और मदिरा का भोग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। अमावस्या की काली अंधेरी रात। उज्जैन के चक्रतीर्थ श्मशान घाट पर जलती चिताओं के आसपास तांत्रिक और अघोरी घेरा बनाए खड़े हैं। कुछ बैठे भी हैं। सभी मंत्रों का जाप कर रहे हैं। एक ओर श्मशान दूसरी ओर शिप्रा नदी है। दूर-दूर तक घुप अंधेरा है। मैं एक चिता की ओर कुछ आगे बढ़ा, तभी एक तांत्रिक चिता के चारों ओर लकड़ी से लकीर खींच देता है। चेतावनी भरे लहजे में कहता है- दूर ही रहना, अंदर मत आना। इसके बाद अघोरी तेजी से इसी लकीर के अंदर रहकर चिता के चारों ओर चक्कर लगाना शुरू कर देते हैं। चक्कर लगाते हुए वे कुछ बुदबुदाते भी हैं। दो घंटे तक श्मशान में क्रिया का दौर चलता रहा। इसके बाद एक-एक कर सभी तांत्रिक चले गए।

बुधवार, 19 अप्रैल को वैशाख अमावस्या तिथि सुबह 11 बजकर 23 मिनट पर शुरू हुई। यह 20 अप्रैल को सुबह 9 बजकर 41 मिनट पर समाप्त हुई। 19 की रात अमावस्या और 20 की सुबह सूर्य ग्रहण (भारत में नहीं दिखा) होने के चलते तंत्र साधक शिप्रा नदी किनारे चक्रतीर्थ श्मशान पहुंचे थे। चक्रतीर्थ श्मशान देश के सबसे जाग्रत श्मशानों में से एक माना जाता है। इसीलिए दूसरे प्रदेश के तांत्रिक भी यहां तंत्र साधना के लिए जुटते हैं। ग्रहण, दीपावली, सोमवती अमावस्या पर भी तांत्रिक यहां तंत्र साधना और विशेष अनुष्ठान करते हैं।

बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात जब आप सो रहे थे, तब चक्रतीर्थ मुक्तिधाम में तांत्रिक अनुष्ठान शुरू हुए। तांत्रिक भय्यू महाराज ने बताया कि तंत्र साधना के लिए अमावस्या और ग्रहण की रात का विशेष महत्व होता है। तंत्र क्रिया के लिए मदिरा, नींबू, मिठाई, मावा, फल, सिंदूर, अबीर, माचिस, कंडे, फूल, दीपक सहित कुछ और सामग्री लगती है। साधना मध्य रात्रि से शुरू की जाती है और डेढ़ से दो घंटे तक चलती है। साधना साधकों की मंशा अनुसार की जाती है। अलग-अलग कारणों हो सकते हैं। तंत्र-मंत्र, यंत्र, टोटके, कलवा साधना, वीर साधना, यक्षिण साधना, वीर भट्?ट, बेताल साधना और शव साधना की जाती है।

उज्जैन में बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक भगवान महाकाल का मंदिर है। यह दक्षिण मुखी है। इसी वजह से साधक इसे तंत्र क्रिया का सबसे बड़ा केंद्र मानते हैं। यहां के श्मशान को भी तीर्थ कहा जाता है। इसलिए इसका नाम चक्रतीर्थ है। तांत्रिक भय्यू महाराज बताते हैं कि ग्रहण और अमावस्या के दिन उज्जैन शहर के श्मशान में की जाने वाली तंत्र क्रिया का फल 101% मिलता है। इस तरह की क्रिया कराने वाले लोग अमूमन देर रात को श्मशान आने से डरते हैं। वे अपनी समस्या हमें बताते हैं और हम उनकी समस्या निवारण के लिए तंत्र क्रिया करते हैं। मान्यता है कि देश के सबसे जाग्रत श्मशानों में एक उज्जैन का चक्रतीर्थ और नलखेड़ा में मां बगलामुखी के पास बना श्मशान भी है।

जलती चिता पर शव साधना करने गुजरात से आए तांत्रिक मौलेश भाई पटेल ने बताया कि सुख-शांति के लिए भी साधना की जाती है। शव साधना जलती चिता के पास बैठकर होती है। तंत्र क्रिया में नींबू, मिर्ची, नमकीन और मदिरा का भोग शव को लगाया। शव और शिव साधना के अतिरिक्त तीसरी साधना होती है श्?मशान साधना।

शादी की सालगिरह पर युवक की हत्या

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। **शहर में बुध-गुरू की दरम्यानि रात्रि में एक युवक की हत्या हो गई। गुरूवार को उसकी शादी की सालगिरह थी। रात को अपनी पत्नी को विश करने के बाद घर के बाहर निकला तो मौत ने युवक को विश किया।**

बुध-गुरू की दरम्यानि रात्रि 1.30 बजे कलालसेरी नमक मंडी में रहने वाले अंकुर उर्फ अंतु भाया पिता गोपाल शर्मा आयु 42 साल की बदमाशों ने चाकू मारकर हत्या कर दी। गुरूवार को उसकी शादी की सालगिरह थी और रात में वह दोस्तों के साथ पार्टी मना रहा था। उसने पत्नी को विश किया और घर के बाहर घूमने का कह कर निकला। मृतक के पिता गोपाल शर्मा ने बताया कि अंकुर ने पत्नी को फोन पर कहा था कि खाना लगाकर रखना मैं घर लौट रहा हूं। दोनों साथ मिलकर खाना खाएंगे लेकिन वह काफी देर तक घर नहीं आया। अंकुर की पत्नी ने शोर सुनकर मुझे नींद से जगाया तो बहू और पत्नी के साथ सड़क पर गए तो जैन मंदिर के पास अंकुर खून से लथपथ हालत में मिला। उसे अन्य लोगों की मदद से तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने परीक्षण के बाद अंकुर को मृत घोषित कर दिया।

● हत्यारों की तलाश में जुटी पुलिस

सीएसपी ओमप्रकाश मिश्रा ने बताया कि अंकुर उर्फ अंतु भाया रात में दोस्तों के साथ पार्टी मना रहा था। मौके से बीयर की बाटलें व खाली डिस्पोजल भी मिले हैं। अंकुर के पैर में चाकू मारा गया था। अत्यधिक खून बहने से उसकी मृत्यु हुई होगी। अभी तक हत्यारों के नाम सामने नहीं आए हैं जिनकी तलाश में पुलिस टीम जुटी है।

● फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश

देर रात नमक मंडी कलालसेरी क्षेत्र में हुई युवक की हत्या के मामले की जांच रात में ही पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई थी। सीएसपी ओ.पी.मिश्रा ने बताया कि मृतक के परिजनों के बयान के अलावा घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकार्डिंग देख कर हमलावरों की धरपकड़ शुरू की गई हैं।

जिला अस्पताल परिसर में लगी भीड़

अंकुर शर्मा उर्फ अंतु भाया की हत्या की जानकारी लगने के बाद उसके दोस्तों के अलावा परिजन व परिचितों की जिला अस्पताल में भीड़ लग गई। इधर खाराकुआं पुलिस द्वारा मृतक के परिजनों के बयान दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया। मृतक सरकारी डिपार्टमेंट में पेटी कॉन्टेक्ट पर काम करता था।

टीआई ने निभाई पिता की भूमिका; पूरे रीति-रिवाज से अदा की रस्म

थाने में महिला आरक्षक की गोद भराई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

छतरपुर। बैकग्राउंड में गाना गूंज रहा है। चंदा है तू मेरा सूरज है तू... ओ मेरी आंखों का तारा है तू...। दीवारें फूलों की मालाओं से सजी है। एक महिला कुर्सी पर बैठी है। उस पर फूल बरसाए जा रहे हैं। हर कोई बारी बारी से आकर उसे शगुन के रूप में कुछ ना कुछ भेंट कर रहा है। उत्सव मनाया जा रहा है, खुशियां मनाई जा रही है।

ये नजारा किसी घर या रिसॉर्ट का नहीं है, बल्कि पुलिस थाने का है। मध्यप्रदेश में छतरपुर के सिटी कोतवाली थाने में बुधवार को महिला आरक्षक की गोद भराई की रस्म निभाई गई। वो भी पूरे रीति-रिवाज और पारिवारिक माहौल में। थाना प्रभारी अरविंद सिंह दांगी ने पिता की भूमिका निभाई, उनकी पत्नी मां के रूप में मौजूद रही। बाकी स्टाफ ने भाई-बहनों के रूप में अपने सहकर्मी की गोद भराई की रस्म अदा की।

परिजन नहीं कर पा रहे थे गोद भराई की रस्म

महिला आरक्षक दिव्या मिश्रा टीकमगढ़ जिले की रहने वाली हैं। अपने घर से दूर पदस्थ होने की वजह से उसके परिजन बेटी की गोद भराई की रस्म नहीं कर पा रहे थे, इस बात से दिव्या चिंतित थी, उसने अपने सहकर्मियों से इस बात का जिक्र भी किया था। यह बात कोतवाली थाना प्रभारी को पता चली तो उन्होंने थाना में ही डेकोरेशन करवाया। पूरे हॉल को फूलों से सजाया। फिर गोद भराई की रस्म पूरे उत्साह और रीति-रिवाज के साथ थाने में ही पूरी करवाई। आरक्षक दिव्या मिश्रा मैटरनिटी लीव पर जा रहीं हैं, इसी के चलते ये कार्यक्रम आयोजित किया गया।

● एसपी ने कहा-ये एक सराहनीय पहल

इस पूरे कार्यक्रम में महिला आरक्षक के पिता की भूमिका निभाने वाले थाना प्रभारी अरविंद दांगी का कहना है कि महिला आरक्षक की पहली प्रेग्नेंसी हैं और वो इसे लेकर उत्साहित थी। ऐसे में उनकी इस खुशी में शामिल होने के लिए उन्होंने ये प्रयास किया। जिसमें सभी लोग शामिल हुए।

एसपी अमित सांघी कहना है कि ये एक सराहनीय पहल है, हमारी पुलिस टीम एक परिवार की तरह है। इस तरह के आयोजन से सभी को अच्छा लगता है। इसे महिला आरक्षक का भी मनोबल बढ़ेगा और दूसरों को भी प्रेरणा मिलेगी।

संपादकीय

उत्साह और चिंता

शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में सरकार को खासी मशक्कत करनी पड़ती है। आबादी अधिक होने का ही नतीजा है कि इन दोनों क्षेत्रों में सरकार पर्याप्त बजटीय आबंटन नहीं कर पाती। चौदह साल तक की उम्र के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का कानून होने के बावजूद साठ फीसद से कम ही बच्चे उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं तक पहुंच पाते हैं। आबादी के मामले में भारत के शीर्ष पर पहुंचने को लेकर एक तरफ उत्साह है, तो दूसरी तरफ चिंताएं भी गहरी हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के आंकड़ों के मुताबिक भारत ने आबादी के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है। हालांकि कुछ लोगों में इस आंकड़े को लेकर भ्रम की स्थिति बनी रही कि भारत इस पायदान पर अभी पहुंच गया है या दो महीने बाद यानी जून तक पहुंचेगा। मगर बहस इस बात पर होनी चाहिए कि इस जनसंख्या वृद्धि के निहितार्थ क्या हैं। ताजा आंकड़े जारी होने के बाद चीन ने कहा है कि उसके पास अब भी नब्बे करोड़ से अधिक लोगों का गुणवत्ता वाला मानव संसाधन है। चीन की पीड़ा समझी जा सकती है। दरअसल, जनसंख्या के बल पर ही उसने नब्बे के दशक से आर्थिक तरक्की की है। हालांकि पंद्रह से चौंसठ साल आयुवर्ग की कामकाजी आबादी के मामले में चीन अब भी भारत से आगे है। भारत की अपेक्षा उसके पास इस आयुवर्ग के एक करोड़ लोग अधिक हैं। मगर चौदह साल से कम उम्र की आबादी के मामले में भारत की तुलना में चीन काफी पिछड़ गया है। यानी आने वाली कामकाजी पीढ़ी भारत के पास अधिक होगी। इसी तरह चीन में जीवन की अवधि भारत की अपेक्षा अधिक होने की वजह से उस पर बुजुर्ग आबादी का बोझ अधिक है। माना जा रहा है कि भारत अपनी आबादी के बल पर विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ेगा। पिछले कुछ सालों में इसकी विकास दर पर इसका असर भी साफ देखा गया है। हालांकि चीन ने अपनी प्रजनन दर पर काफी अंकुश लगाया है। भारत भी इस दिशा में सतर्क है और उसकी प्रजनन दर 2.2 से घट कर 2.0 पर आ गई है। इसलिए वह अनिवार्य परिवार नियोजन जैसी योजना पर कोई कदम नहीं बढ़ा रहा। हालांकि उसे संसाधनों पर बढ़ते आबादी के दबाव को कम करने में काफी वक्त लगेगा। एक तरफ जलवायु परिवर्तन के चलते खाद्यान्न उत्पादन पर असर देखा जा रहा है, तो दूसरी तरफ रोजगार के मोर्चे पर अपेक्षित कामयाबी नहीं मिल पा रही है। इससे संबंधित तमाम योजनाएं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पा रही हैं। ऐसे में विकास दर की रफ्तार कितनी तेज होगी, फिलहाल दावा करना मुश्किल है।

महिला जगत

सबसे अधिक उम्र की भारतीय महिला पर्वतारोही ज्योति रात्रे की कहानी है बहुत रोचक

बछेंद्री पाल ने माउंट एवरेस्ट पर फतह करके देश का नाम रोशन किया। महिलाएं सबसे ऊँची चोटियों पर चढ़कर सफलता की राह बना लेती हैं, इसका कई पर्वतारोही उदाहरण हैं। इन्ही पर्वतारोही महिलाओं में ज्योति रात्रे का नाम शामिल है। ज्योति रात्रे की सफलता की कहानी हर किसी के लिए प्रेरणा बन सकती है। जिस उम्र में लोगों के जोड़ों में दर्द रहता है और चलने-फिरने में तकलीफ रहती है, उम्र के उस पड़ाव पर आकर ज्योति रात्रे ऊंची-ऊंची पहाड़ियों की चढ़ाई कर देश का परचम लहरा रही हैं। चलिए जानते हैं ज्योति रात्रे के बारे में।

● सबसे अधिक उम्र की भारतीय महिला पर्वतारोही

उम्र के दायरे को पार कर एक महिला पर्वतारोही ने 48 वर्ष की आयु में पहाड़ चढ़ना सीखा। 50 साल की उम्र में इस महिला ने माउंट एल्ब्रुस फतह कर ली। ज्योति रात्रे भोपाल की रहने वाली हैं। उन्होंने अपने स्कूल के दिनों में माउंट एवरेस्ट के बारे में जाना था। उनके टीचर्स ने बताया था कि माउंट एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ना बहुत मुश्किल होता है। भारत में ऐसे लोग बहुत कम हैं, जिन्होंने माउंट एवरेस्ट पर फतह की हो। इस लिस्ट में महिलाएं पुरुषों की तुलना में और भी ज्यादा कम रहीं।

टीचर की कही गई बातें ज्योति के दिल और दिमाग में रहीं। उन्होंने पहाड़ों के बारे में पढ़ना शुरू किया। पहाड़ पर चढ़ने का सपना देखना शुरू कर दिया। लेकिन हालातों के कारण उनके सपने पूरे नहीं हो पाए। स्कूल के बाद कॉलेज और फिर शादी के बाद उन पर परिवार की जिम्मेदारियां आ गईं। पति-बच्चे और करियर के ज्योति का सपना कहीं खो गया।

● 52 वर्ष की आयु में माउंट एलब्रुस पर की फतह

उन्होंने अपने परिवार की सभी जिम्मेदारियों को पूरा किया और 48 साल की उम्र में अपने सपने को पूरा करने की ठान ली। मनाली जाकर पहाड़ पर चढ़ाई करने की ट्रेनिंग लीं। उसके बाद ज्योति रात्रे ने अमरनाथ यात्रा जोकि चार दिन में पूरी होती है, वह दो दिन की अवधि में पूरी कर ली।

ज्योति रात्रे ने मनाली में 6000 फीट ऊंचा ट्रैक देवटिप्पा पार किया। प्रोफेशनल ट्रेनिंग लेने के बाद माउंट एवरेस्ट फतह करने के लिए आवेदन किया लेकिन उनकी उम्र ज्यादा होने के कारण ज्योति का आवेदन रिजेक्ट कर दिया गया। नियमानुसार माउंट एवरेस्ट चढ़ने के लिए प्रतिभागी की अधिकतम उम्र 42 साल होती है। लेकिन ज्योति ने हार नहीं मानी, उन्होंने ट्रेनिंग जारी रखी और यूरोप के सबसे ऊंचे पहाड़ माउंट एलब्रुस पर चढ़ने के लिए आवेदन दिया।

ज्योति रात्रे ने 52 साल की उम्र में माउंट एलब्रुस की चढ़ाई की। उनकी टीम में चार लोग थे, जिसमें वह इकलौती महिला थीं। बहुत बर्फबारी, ऊंचाई पर होने के बाद भी ज्योति फाइनल पॉइंट पर पहुंची। 5462 फीट ऊंची चोटी पर पहुंचना ज्योति रात्रे के साथ ही भारत के लिए भी उपलब्धि है। अपने इस रिकॉर्ड के बाद ज्योति रात्रे भारत की सबसे अधिक उम्र की पर्वतारोही बन गई हैं। ज्योति ने अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी कही जाने वाली किलिमंजारो पर फतह हासिल की है।

Highlights

1. Honey Singh issues statement after being accused of kidnapping, calls claim 'baseless'
2. How does the IPL 2023 points table read after DC's first win?
3. Tech CEO praises employee for selling dog so he could return to office; criticised
4. DigiYatra perk is way more valuable than Twitter Blue: Paytm CEO
5. SRK, Virat Kohli & Rahul Gandhi among celebs losing their Twitter blue tick
6. Air India pilot let woman friend into cockpit, asked for pillows and alcohol: Crew member
7. Diljit Dosanjh shares video with Diplo, says 'He's my brother now'
8. Criminal charges against Alec Baldwin dropped after shooting cinematographer dead on set

India, Thailand discuss linking UPI with Prompt Pay Service: Report

NEW DEIHI, (Agency). India and Thailand on Thursday reviewed the progress of talks on connecting the Unified Payment Interface (UPI) with Prompt Pay Service of the south-east Asian country and the settlement of trade transactions in local currency, the commerce ministry said on Thursday.

The issues were discussed during the 13th meeting of the India-Thailand Joint Trade Committee.

The meeting was co-chaired by Auramon Supthaweethum, Director General of the Department of Trade Negotiations, Ministry of Commerce of Thailand, and Indu C Nair, Joint Secretary in the Department of Commerce, India. In the meeting, India raised the restriction faced by domestic exporters of marine, poultry and meat products in Thailand. Both sides discussed various market access issues and technical barriers faced by their exporters and agreed to resolve them, it said. "The meeting also reviewed the progress of the ongoing efforts on connecting UPI of India with Prompt Pay Service of Thailand and the settlement of trade transactions in local currency," it added. Thailand is India's important trading partner in ASEAN (Association of South East Asian Nations) with total trade of USD 16.89 billion. Thailand accounts for 13.6 per cent of India's total trade with ASEAN. It is an important destination for India's gems and jewellery, mechanical machinery, auto and auto components and agricultural products, especially marine products. Both sides emphasised the need for identifying new potential products and priority sectors for expanding the bilateral trade. The officials identified a range of potential commodities and sectors for strengthened partnerships such as value-added marine products, smartphones, electric vehicles, food processing and pharmaceuticals.

RBI says collective impact of its inflation-checking measures is still unfolding

NEW DEIHI, (Agency). RBI Governor Shaktikanta Das, in the rate-setting panel meeting earlier this month, opined that the cumulative impact of the monetary policy actions over the last one year is still unfolding and needs to be monitored closely, as per the MPC minutes released on Thursday.

Das, along with the five other members of the Monetary Policy Committee, voted for a pause in rate hike earlier this month.

The central bank, which effected six back-to-back hikes in the key short-term lending rate (repo) since May 2022 to check high inflation, decided to take a pause early this month. The cumulative rate hike since May 2022 is 250 basis points.

"The cumulative impact of our monetary policy actions over the last one year is still unfolding and needs to be monitored closely," Das said during the last Monetary Policy Committee (MPC) meeting held during April 3-6.

Inflation for 2023-24 is projected to soften, but the disinflation towards the target is likely to be slow and protracted. The projected inflation in Q4:2023-24 at 5.2 per cent would still be well above the target, he noted.

"Therefore, at this juncture, we have to persevere with our focus on bringing about a durable moderation in inflation and at the same time give ourselves some time to monitor the impact of our past actions.

Das said, "I am, therefore, of the view that we do a tactical pause in this meeting of the MPC", as per the minutes of the MPC meeting released by the RBI.

Bihar

पटना, भागलपुर, मुजफ्फरपुर समेत कई शहरों में सीबीआई की ताबड़तोड़ छापेमारी, ये है मामला

पटना, (एजेंसी) बिहार की राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, हाजीपुर समेत अन्य शहरों में गुरुवार को सीबीआई की ताबड़तोड़ छापेमारी से हड़कंप मच गया। केंद्रीय जांच एजेंसी ने गुरुवार को बिहार समेत यूपी, गुजरात, मध्य प्रदेश और दिल्ली के करीब 12 से ज्यादा स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान रेलवे की वेबसाइट आईआरसीटीसी से टिकट कटाने में फर्जीवाड़ा करने वालों पर कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में कई निजी टिकट विक्रेताओं, वेंडरों और ट्रैवल एजेंटों के यहां से मोबाइल, लैपटॉप, कागजात समेत अन्य चीजें जब्त की गई हैं।

जानकारी के मुताबिक सीबीआई ने देशभर के एक दर्जन से ज्यादा ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। जांच एजेंसी ने अधिकतर रेलवे टिकट विक्रेताओं और ट्रैवल एजेंटों के यहां सर्च अभियान चलाए। बिहार में भी पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, हाजीपुर और अन्य शहरों में सीबीआई ने छापा मारा। इससे ट्रैवल एजेंटों के बीच हड़कंप मच गया। सीबीआई को सूचना मिली थी कि बड़ी संख्या में ट्रैवल एजेंट और निजी टिकट वेंडर आईआरसीटीसी की वेबसाइट से टिकट कटाकर उन्हें ब्लैक में बेचते हैं। इसके साथ ही आईआरसीटीसी के नाम से कई फर्जी वेबसाइट बनाई गई हैं, जहां रेलवे से फर्जीवाड़ा कर टिकट बेचे जाते हैं।

Jammu & Kashmir

भयावह मंजर... किसी की टांग तो किसी का हाथ बिखरा पड़ा था सड़क किनारे, देखकर कांप गई रूह

जम्मू, (एजेंसी) पुंछ जिले के भाटादूड़ियां इलाके में सैन्य वाहन पर आतंकी हमले में पांच जवान शहीद हो गए। आतंकियों ने पहले गोलियां चलाईं फिर ग्रेनेड दागे, जिससे वाहन में आग लग गई। जवान आग में झुलस गए। एक जवान गंभीर रूप से घायल है, जिसे एयरलिफ्ट कर इलाज के लिए सैन्य अस्पताल भेजा गया है।

शहीद होने वालों में चार जवान पंजाब तथा एक ओडिशा के हैं। हमलावरों की संख्या चार से पांच बताई जा रही है। सैन्य प्रवक्ता ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। आतंकी संगठन पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। श्रीनगर में अगले महीने 22 से 24 मई के बीच जी-20 की बैठक को देखते हुए सेना को सतर्क रहने की एडवाइजरी जारी की गई है।

वहीं, पुंछ जिले के भाटादूड़ियां में आतंकी हमले के बाद सैन्य वाहन के भीतर और सड़क पर जिंदा जलते जवानों को देखने वाले चश्मदीदों ने घटना स्थला के मंजर के बारे में बताया। चश्मदीद आतंकी हमले के कुछ समय बाद घटनास्थल पर पहुंच गए थे।

Uttarpradesh

38 साल पहले बम हमले में हुई थी पिता की हत्या, बदला लेने के लिए कराया हिस्ट्रीशीटर बृजेश सिंह का मर्डर

देवरिया, (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के देवरिया में 5 दिन पहले हिस्ट्रीशीटर बृजेश सिंह की हत्या कर दी गई थी. इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें एक हिस्ट्रीशीटर भी शामिल है. एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है. पुलिस आरोपियों से पूछताछ में जुटी है

थाना प्रभारी संदीप सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपी ज्ञानेश्वर पांडेय के पिता की साल 1985 में देवरिया कचहरी में बम मारकर हत्या कर दी गई थी. उस केस में बृजेश सिंह सहित चार आरोपी शामिल थे. इसमें भरत प्रसाद नाम के आरोपी की 1997 में हत्या कर दी गई थी. वारदात में शामिल दो अन्य को सजा हो गई थी. बृजेश सिंह की हत्या के लिए ज्ञानेश्वर पांडेय ने दो हिस्ट्रीशीटर का सहारा लिया. इनमें एक राजेश मिश्रा और दूसरा अज्ञात है. इन दोनों ने ज्ञानेश्वर के कहने पर पैसे लेकर बृजेश सिंह की सिर कुचलकर हत्या कर दी और शव तुर्तीपार रेलवे स्टेशन हाल्ट के पास फेंक दिया था. आरोपियों ने बृजेश सिंह के प्राइवेट पार्ट को भी चोट पहुंचाई थी.

Uttarakhand

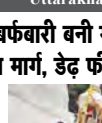

चारधाम यात्रा में बर्फबारी बनी मुसीबत, हिमखंड टूटने से बंद हो गया पैदल मार्ग, डेढ़ फीट तक गिरी ताजा बर्फ

देहरादून, (एजेंसी) चारों धामों में कपाट खुलने से ठीक पहले हो रही बर्फबारी से यात्रा के इंतजामों में जुटी प्रशासनिक मशीनरी के सामने मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। केदारनाथ पैदल मार्ग भैरव ग्लेशियर में हिमखंड टूटने से बंद हो गया। उधर,हनुमानचट्टी से बदरीनाथ के बीच राजमार्ग बर्फबारी के चलते बुधवार दोपहर तक बंद रहा। हेमकुंड पैदल मार्ग से बर्फ हटा रही सेना की टीम गुरुवार को घांघरिया से आगे नहीं जा सकी। यमुनोत्री और गंगोत्री धाम में जारी बर्फबारी के कारण साफ-सफाई और मंदिरों को सजाने में मुश्किलों का

सामना करना पड़ रहा है। केदारनाथ हिमखंड टूटने से पैदल मार्ग बंद केदारनाथ में दो दिन से रुक-रुककर बर्फबारी हो रही है। इससे गुरुवार को कुबेर और भैरव गदेरे के बीच हिमखंड टूट गया। इसके चलते पैदल मार्ग बंद होने से यात्रा के इंतजामों में जुटे मजदूरों और कर्मचारियों की आवाजाही नहीं हो सकी। लोनिवि के ईई प्रवीण कर्णवाल ने बताया कि 30 मजदूरों की टीम मौके से बर्फ हटाने को भेजी है। धाम में करीब डेढ़ फीट ताजा बर्फ गिरी है। इस कारण यात्रियों के लिए टैंट लगाने समेत अन्य कामों में मुश्किलें आ रही हैं। बदरीनाथ धाम में दो फीट तक ताजा बर्फ गिरी। इस कारण हनुमानचट्टी से बदरीनाथ के बीच हाईवे पर वाहनों की आवाजाही बुधवार शाम थम गई।

खेल

लगातार 5 हार के बाद दिल्ली कैपिटल्स को मिली पहली जीत, कोलकाता नाइट राइडर्स को 4 विकेट से हराया

नई दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली कैपिटल्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2023 के 28वें मैच में 4 विकेट से हरा दिया है। दिल्ली कैपिटल्स की आईपीएल 2023 में ये लगातार पांच हार के बाद पहली जीत है। वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम को लगातार तीसरी हार मिली है। पहले बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स ने 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 127 रन बनाए। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने डेविड वॉर्नर के अर्धशतक की बदौलत 4 गेंद शेष रहते ये मैच अपने नाम किया।

128 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को डेविड वॉर्नर और शॉ ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 38 रन की साझेदारी हुई। पृथ्वी शॉ एक बार निराशाजनक पारी खेलकर आउट हुए। उन्होंने 11 गेंद में 13 रन बनाए। मिचेल मार्श और वॉर्नर के बीच दूसरे विकेट के लिए 24 रन की साझेदारी हुई। इस बीच राणा ने मिचेल मार्श को पवेलियन भेज दिया। वह दो रन ही बना सके। फिलिप साल्ट भी 5 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद डेविड वॉर्नर ने अर्धशतक पूरा किया। लेकिन वह 41 गेंद में 57 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। मनीष पांडे खराब शॉट खेलकर आउट हुए। पांडे ने 23 गेंद में 21 रन बनाए। इसके बाद अक्षर पटेल ने 22 गेंद में 19 रन की नाबाद पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम ने वर्षाबाधित मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सभी विकेट खोकर सिर्फ 127 रन ही बना सकी है। कोलकाता की टीम इस मैच में 4 बदलाव के साथ उतरी थी फिर भी बल्लेबाजी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। कोलकाता के लिए सलामी बल्लेबाज जेसन राय ने सर्वाधिक 43 रन बनाए। दिल्ली कैपिटल्स के लिए ईशांत शर्मा, एनरिक नॉर्खिया, अक्षर और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट लिए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स की एक बार फिर शुरुआत खराब रही। टीम ने पावरप्ले में ही तीन विकेट गंवा दिए थे। लिटन 4 और राणा 4 रन बनाकर आउट हुए। पिछले मैच में शतक लगाने वाले वेंकटेश अय्यर खाता भी नहीं खोल सके। मनदीप 12 रन बनाकर आउट हुए। रिंकू सिंह भी कुछ कमाल नहीं दिखा सके और 8 गेंद में 6 रन ही बना सके। सुनील नरेन ने 4 रन का योगदान दिया। जेसन राय 39 गेंद में 43 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आंद्रे रसल एक छोर से टिके रहे लेकिन दिल्ली के गेंदबाजों के खिलाफ बड़े शॉट नहीं लगा सके। हालांकि आखिरी ओवर में उन्होंने लगातार गेंदों पर तीन छक्के लगाए। रसेल 31 गेंद में 38 रन बनाकर नाबाद रहे। अपनी पारी में उन्होंने 4 छक्के और एक चौका लगाया।

सिनेमा

रैपर हनी सिंह के खिलाफ मुंबई में दर्ज हुई FIR, लगा किडनैपिंग और मारपीट का इल्जाम

सिंगर और रैपर हनी सिंह विवादों में फंसते नजर आ रहे हैं। दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो विवेक रमन नाम के एक व्यक्ति ने मुंबई के बीकेसी पुलिस स्टेशन में हनी सिंह के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। विवेक का कहना है कि हनी सिंह और उसके साथियों ने पहले उसे किडनैप किया फिर होटल में बंदी बनाकर मार-पीट की। बता दें, विवेक ने FIR दर्ज कर हनी सिंह और उनके साथियों की गिरफ्तारी की मांग की है। विवेक ने अपनी शिकायत में पूरा मामला समझाते हुए बताया कि उन्होंने हाल ही में फेस्टिवीना नाम से एक इवेंट आयोजित किया था। उन्होंने इस इवेंट में हनी सिंह को परफॉर्म करने के लिए न्यौता भी दिया था। लेकिन, जब पैसों की गड़बड़ी हुई तब उन्होंने कार्यक्रम रद्द कर दिया। ये बात हनी सिंह को पसंद नहीं आई इसलिए उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर आयोजक को किडनैप कराया। फिर मुंबई के सहार में स्थित होटल में बंदी बनाकर मारपीट की। स्पष्ट कर दें, इस पूरे मामले पर अभी तक हनी सिंह का कोई रिएक्शन नहीं आया है।

87 लाख के क्रिप्टो करेंसी उड़ाई

●सर्वर हैक कर आइटी इंजीनियर ने विदेशी कंपनी को लगाई चपत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। प्रतिष्ठित आइटी कंपनी के इंजीनियर राजकुमार यादव ने विदेशी कंपनी का सर्वर हैक कर 87 लाख 50 हजार रुपये की क्रिप्टो करेंसी उड़ा दी। आरोपी ने कंपनी की वेबसाइट डिजाइन की। इस दौरान चालाकी से अपना वालेट एड कर करेंसी जमा करता गया।

भंवरकुआं पुलिस ने बताया कि क्वेस्ट ग्लोबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के कर्ताधर्ता रोमिल जैन, मोहित सूद और आलोक अग्रवाल ने शिकायत दर्ज करवाई है। कंपनी का अतुल्य आइटी पार्क में आफिस है। साफ्टवेयर डेवलपर राजकुमार यादव वर्क फ्राम होम करता था। कंपनी को क्रिप्टो करेंसी का व्यापार करने वाली कंपनी टाइम डाक्टर ने वेबसाइट डिजाइन का काम दिया था। राजकुमार ने डाक्टर टाइम वेबसाइट से पासवर्ड चुराकर रिसीवर वालेट में अपना वालेट अपडेट कर दिया। उसने धोखे से डाक्टर टाइम के ग्राहकों की ओर से जमा करवाई क्रिप्टो करेंसी (इम्पीरियल, कार्बन, टैबू) के 87 लाख 50 हजार रुपये कीमत के टोकन स्वयं के वालेट में जमा करवा लिए फिर एक्सचेंज-पैनकेक स्वैप पर बीएमबी टोकन में कन्वर्ट कर लिए। इसके बाद इन क्वाइन को एक्सचेंज- वजीर-एक्स पर, फिर भारतीय मुद्रा में कन्वर्ट करवा लिए। आरोपित ने कुल 75 लाख 50 हजार रुपये के क्रिप्टो क्वाइन की धोखाधड़ी की। टाइम डाक्टर ने जब सर्वर हैक की सूचना दी तो क्वेस्ट ग्लोबल टेक्नोलॉजीज की टीम ने जांच करके राजकुमार यादव को पकड़ा। टीआइ के अनुसार, राजकुमार मूलतः बेलखेड़ी जिला दमोह का रहने वाला है। उसने एक मकान, प्लाट और कार खरीदने के अलावा कर्जा चुका दिया था।

बाइक चोरी, फुटेज में दिखा चोर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। ग्वालटोली थाने के 10 कदम की दूरी पर यशवंत प्लाजा के पार्किंग से अज्ञात युवक बाइक चोरी कर कर ले जाते हुए काले रंग के शर्ट में बदमाश दिखाई दिया है। इस आधार पर पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

आंदोलन की चेतावनी के बाद लिया जायजा

पुलिया निर्माण नहीं होने से 2 महीने से बंद है रोड

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। समीपस्थ महू के वार्ड नंबर 1 में आने वाले राज मोहल्ले में पिछले 2 महीने से पुलिया का निर्माण रुका हुआ था। इसके चलते रोजाना यहां से निकलने वाले राहगीर और रहवासी परेशान होते हुए नजर आ रहे थे।

परेशानी बढ़ती देख कांग्रेस के नेता उत्कर्ष वर्मा द्वारा क्षेत्र के लोगों को लेकर छावनी परिषद कार्यालय भी पहुंचे थे। सुनवाई करने की बात कही थी इतना ही नहीं निर्माण देरी से होने के कारण वर्मा ने आंदोलन की चेतावनी भी दी थी। इसको देखते हुए गुरुवार शाम को छावनी परिषद के इंजीनियर एसएच कलोया मौके पर पहुंचे। निर्माण कर रहे ठेकेदार से चर्चा कर जल्द से जल्द पुलिया बनाने की बात कही।

दरअसल ढाई महीने पहले राज मोहल्ले की ब्रिटिश कालीन पुलिया टूट गई थी, जिसके कारण नाले का गंदा पानी लोगों के घरों में घुस रहा था। गंदे पानी के कारण क्षेत्र के लोग बीमार भी पड़ रहे थे। कई बार रहवासियों ने छावनी परिषद को पुलिया टूटने की शिकायत की थी जिसके बाद परिषद के अधिकारी हरकत में आए थे। पुलिया का निर्माण शुरू करवाया था, लेकिन ढाई महीने से पुलिया का निर्माण अटका हुआ था। इसके कारण रोजाना बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे पेट्रोल पंप जाने वाले लोग परेशान हो रहे थे। छावनी परिषद के अधिकारियों का कहना है कि दो-तीन दिन में रोड चालू कर दिया जाएगा।

विवाह समारोह में युवक से की मारपीट, केस दर्ज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। महू के श्याम विलास चौराहे के पास गाड़ी निकालने के दौरान किसी बात को लेकर कार सवार युवक का विवाह समारोह में मौजूद लोगों से विवाद हो गया। जिसके बाद विवाह समारोह में शामिल लोगों ने युवक के साथ मारपीट कर दी। मिली जानकारी के अनुसार समर्थ पार्क निवासी उत्सव पिता अजय वर्मा अपनी कार से गुजर रहा था तभी मेडिकल स्टोर के पास गाड़ी निकालने की बात को लेकर उसकी कुछ युवकों से बोलचाल हो गई। सभी युवक विवाह समारोह में आए हुए थे। जिसके बाद दूल्हे सहित विवाह समारोह में शामिल अन्य लोगों ने कार सवार अजय के साथ मारपीट की। पुलिस ने अजय की शिकायत पर दूल्हे अखिलेश चौहान सहित अन्य के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया।

मामला कॉलेज छात्रा की खुदकुशी का ...

आरोपी और उसके पिता को भेजा जेल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। युवक द्वारा परेशान किए जाने से तंग आकर खुड़ैल थाना क्षेत्र में रहने वाली कॉलेज छात्रा ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। इस मामले में हंगामे के बाद पुलिस ने आरोपी अस्मत और उसके पिता सहित अन्य पर लव जिहाद सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया कर उन्हें गिरफ्तार किया। दोनों को पुलिस ने जेल भेज दिया है और मामले में आगे की जांच की जा रही है।

खुड़ैल थानांगर्त काजी पलासिया निवासी 18 वर्षीय जया शर्मा ने मंगलवार रात जहर खाकर आत्महत्या कर ली थीं। आरोपी अस्मत छात्रा पर मतांतरण कर निकाह के लिए दबाव बना रहा था। उसने छात्रा को बदनाम करने और आत्महत्या कर फंसाने की धमकी दी थी। अस्मत की धमकी से डरकर छात्रा ने कालेज आना बंद कर दिया था। छात्रा के पिता ने उससे मोबाइल ले लिया, ताकि अस्मत कॉल या मैसेज न कर पाए, लेकिन अस्मत छात्रा के ताऊ के फोन पर कॉल और धमकी भरे मैसेज करने लगा। मंगलवार को भी उसने मैसेज किए तो परेशान छात्रा ने जहर खा लिया। पुलिस ने गिरफ्तार करने के बाद अस्मत और उसके पिता शब्बीर हुसैन को गुरुवार को महू की अदालत में पेश किया। सुनवाई के बाद दोनों को जेल भेज दिया। टीआइ अजय गुर्जर के अनुसार, अस्मत के फोन से मैसेज, नंबर और गैलरी डिलीट पाए गए हैं। साइबर एक्सपर्ट की मदद से फोन का डाटा रिकवर करवाया जाएगा। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

दाऊदी बोहरा समाज ने खुशी और उत्साह के साथ ईद उल फितर मनाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इन्दौर। दाउदी बोहरा समाज ने शुक्रवार को ईदुल फितर खुशी और उत्साह के साथ मनाई। रमजान माह के पवित्र महीने में उपवास, प्रार्थना और आध्यात्मिक परंपरा का निर्वाह करते हुए इबादत की उसकी खुशी में ईद का पर्व मनाया। सैफी नगर मस्जिद में समाज के धर्मगुरु हिज होलीनेस डॉ सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहेब के भतीजे जनाब अल अक़मर भाई साहब वजीउद्दीन ने सुबह ईद की नमाज अदा कराई और खुशी की मजलिस की सदारत फरमाई। आपने देश की तरक्की, खुशहाली, एकता और शांति की दुआ के साथ सभी के लिए दुआ फरमाई। यह जानकारी समाज की जनसंपर्क समिति मीडिया प्रभारी मजहर हुसैन सेठजी वाला व बुरहानुद्दीन शकरूवाला ने दी।

छोटी-छोटी बातों से बचा जा सकता है सायबर अपराधों से, फर्नीचर फैक्ट्री में लगी साइबर पाठशाला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पुलिस द्वारा साइबर, महिला अपराधों, नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत पुलिस की ट्रेनिंग एवं अवेयरनेस टीम ने उद्योग नगर नेमावर रोड इंदौर स्थित सेटिस्फेक्शन फर्नीचर और फैंसी फर्नीचर फैक्ट्री में कामगारों से बातचीत की।

पुलिस टीम ने फैक्ट्री में काम करने वाले महिला-पुरुष कर्मचारियों को वर्तमान समय के साइबर अपराधों व ऑनलाइन फ्राड के तरीके तथा इनसे बचने के बारे में विस्तृत रूप से समझाया। टीम ने सोशल मीडिया के सावधानीपूर्वक उपयोग और अपनी निजी जानकारी किसी भी अनजान व्यक्ति से शेयर ना करने की समझाइश दी गई। साथ ही इंदौर पुलिस द्वारा चलाई जा रही विभिन्न हेल्पलाईन नम्बरों के बारे में भी बताया।

sponcership

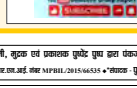

दैनिक समाचार पत्र/न्यूज़ पोर्टल/न्यूज़ चैनल
Daily Newspaper
www.dgr.co.in
Worldwide News portal
www.detectivegroupreport.com
Worldwide Youtube channel
https://youtube.com/c/DETECTIVEGROUPREPORT

समाचार, विज्ञापन और समूह से जुड़ने के लिए संपर्क करें
+91 91110 30505
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
◆ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ◆*संपादक - पुष्पेंद्र पुष्प, ◆ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ◆ समूह PRO - एल.एन. उग्र ◆ फोन : 0731-2433676, मो.नं. 91111-56060 Website : www.dgr.co.in *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।